

INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY
Regional Centre, Lucknow

Report on Awareness Camp for Farmers in Kanpur Nagar

IGNOU, Regional Centre, Lucknow has organized an Awareness Camp for Farmers on 9th July, 2019 at Extension Hall, Chandra Shekhar Azad Agriculture University, Kanpur. On this occasion **Dr. Manoram Singh**, Regional Director and **Dr. Reena Kumari**, Assistant Regional Director, IGNOU, Regional Centre, Lucknow, **Dr. Ghanshyam Yadav**, Deputy Director, Department of Horticulture and Chief Development Officer, Kanpur were present. About 400 farmers were present in this Awareness Camp.



Dr. Ghanshyam Yadav, Deputy Director, Department of Horticulture welcomed the dignitaries and participants present in the camp and motivated the farmers to be enrolled for Agriculture Programme offered by IGNOU.



Dr. Manorama Singh, Regional Director spoke in her address that IGNOU is a Central University established by Parliament Act in 1985. IGNOU is offering more than 250 academic programmes presently. These programmes are offered by 21 Schools of Indira Gandhi National Open University. Dr. Singh spoke that IGNOU offers the facility of simultaneous registration. All programmes offered by IGNOU like Degrees/Diplomas/Certificates are recognized by all the member institutions of the Association of Indian Universities (AIU) and are at par with Degrees/Diplomas/ Certificates of all Indian Universities/Deemed Universities/Institutions.



Dr. Reena Kumari, Assistant Regional Director spoke about the programmes offered by School of Agriculture as COF, CPF, CIB, DDT and DWM in detail. She spoke that Agriculture programmes enhance the knowledge of farmers

and help them to get an opportunity of employability. Dr. Reena explained the procedure of admission in IGNOU's Programmes.



Dr. Manorama Singh and **Dr. Reena Kumari** participated as a resource person in a seminar titled, "Women Empowerment organized for Women Farmers" and motivated them to be enrolled for IGNOU Programmes of their interest.



At last queries raised by the farmers were replied by IGNOU officials and pamphlets were distributed to the participants.

Sample of the Pamphlet :

रेशम कीट पालन में प्रमाणपत्र (CIS)

यह कार्यक्रम भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के केन्द्रीय रेशम बोर्ड की सहायता से तैयार किया गया है। सी.एस.सी. और इग्नू का लक्ष्य है कि ओ.डी.एल. के माध्यम से शहतूत कृषि एवं रेशमकीट उत्पादन में लगे हुए कृषकों एवं तकनीशियनों को वैज्ञानिक एवं उद्यमशीलता के सिद्धांत प्रदान किया जाए। इस डिप्लोमा कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं/किसानों को रेशम कीट पालन को लाभदायी आजीविका के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार करना।

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण अथवा बिना 10वीं उत्तीर्ण जिनके पास रेशम कीट पालन के क्षेत्र में 2 वर्ष का अनुभव हो।

समयावधि : न्यूनतम - 6 माह अधिकतम - 02 वर्ष

माध्यम : हिन्दी एवं अंग्रेजी

शुल्क : ₹ 4,200/-

रोजगार के अवसर:

- केन्द्र और राज्य सरकार की रेशम उत्पादन विकास परियोजनाओं में नियुक्ति/राज्य रेशम कीट पालन विभाग/वस्त्र उद्योग आदि में नियुक्ति
- रेशम कीट इकाईयों में प्रयोगशाला सहायक/बिक्री केन्द्रों में रीलर/बुनकर और गुणवत्ता मूल्यांकन केन्द्रों में नियुक्ति

कुक्कुट पालन में प्रमाणपत्र (CPF)

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मुक्त और दूरस्थ शिक्षा (ओ.डी.एल. प्रणाली) द्वारा कुक्कुट पालन में ज्ञान और दक्षता विकसित/प्रदान कर मानव संसाधन को विकसित और सशक्त करना; कुक्कुट पालन के क्षेत्र में रोजगार और आजीविका के अवसरों के विषय में जागरूकता पैदा करना; और कुक्कुट प्रजनन, आवास, प्रबंधन और पोषण में मूल जानकारी और तकनीकी दक्षता प्रदान करना है।

पात्रता : 8वीं उत्तीर्ण।

समयावधि : न्यूनतम - 6 माह, अधिकतम - 2 वर्ष

माध्यम : हिन्दी एवं अंग्रेजी

शुल्क : ₹ 3,600/-

रोजगार के अवसर:

- कुक्कुट फार्म/अंड स्फुटनशालाओं (हैचरी) में प्रशिक्षित कामकार, स्वरोजगार।

इग्नू के अंशकालिक कृषि सम्बन्धित कार्यक्रम, जिन्हें व्यक्ति अपने व्यवसाय/पढ़ाई करते हुए अपने ज्ञान में मूल्य संवर्धन तथा कृषि सम्बन्धित कौशल अभिवृद्धि कर सकते हैं

इग्नू एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय है, जो मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार के अन्तर्गत कार्यरत है। 1985 में स्थापित यह विश्वविद्यालय आज विश्व का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है एवं यूनेस्को ने इग्नू को जन-जन का विश्वविद्यालय की संज्ञा दी है। इग्नू 230 से अधिक शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन 21 अध्ययन विद्यापीठों, 67 क्षेत्रीय केन्द्रों एवं 2667 से भी अधिक अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से कर रहा है। इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ देश के सबसे बड़े क्षेत्रीय केन्द्रों में से एक है, जो 50 से अधिक अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से छात्रों को सेवाएं प्रदान कर रहा है। क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के अन्तर्गत निम्नलिखित जनपद आते हैं - अमेठी, औरैया, बहराईच, बलरामपुर, बांदा, बाराबंकी, बरेली, बस्ती, चित्रकूट, फैजाबाद, फरुखाबाद (फतेहगढ़), फतेहपुर, गोण्डा, हमीरपुर, हरदोई, झांसी, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कोशाम्बी, लखीमपुर-खीरी, ललितपुर, लखनऊ, महोबा, पीलीभीत, रायबरेली, शाहजहाँपुर, श्रावस्ती, सिदाथनगर, सीतापुर एवं उन्नाव।

आवेदन प्रक्रिया :

इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा संचालित समस्त पाठ्यक्रमों हेतु आवेदन जुलाई एवं जनवरी सत्र के लिए किया जा सकता है। आवेदन करने के लिए आवेदक onlineadmissions.ignou.ac.in पर जाकर प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है। कृषि डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले ग्रामीण क्षेत्र के सभी अभ्यर्थियों को निवास प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर 50 प्रतिशत शुल्क माफी तथा गरीबी रेखा के नीचे रह रहे शहरी अभ्यर्थियों को आय प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर 50 प्रतिशत शुल्क की रियायत प्राप्त होगी। जुलाई 2019 सत्र में प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा एवं पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए इग्नू ने अनुसूचित जाति एवं जन-जाति के अभ्यर्थियों के लिए नि:शुल्क प्रवेश का प्रावधान किया है और वे हार्डकॉपी में फार्म भर सकते हैं।



इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
 क्षेत्रीय केन्द्र, 6-सी/आई.एन.एस.-1
 वृन्दावन योजना, तेलीबाग, लखनऊ-226029
 दूरभाष : 0522-2442832, ईमेल - rlcknow@ignou.ac.in

खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDFSQM)

यह कार्यक्रम कृषि एवं संसाधित खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), भारत सरकार के सहयोग से विकसित किया गया है इसका लक्ष्य विश्व खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत की सक्षमता को विकसित करना और खाद्य उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है।

पात्रता : एक विषय के रूप में केमेस्ट्री/बायो केमेस्ट्री अथवा माइक्रोबायोलॉजी के साथ विज्ञान में स्नातक।

समयावधि : न्यूनतम - 1 वर्ष, अधिकतम - 4 वर्ष

माध्यम : अंग्रेजी

शुल्क : ₹ 14,400/-

रोजगार के अवसर:

- गुणवत्ता नियंत्रण अधिकारी
- आहार सुरक्षा व गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों में प्रशिक्षक
- आहार सुरक्षा अधिकारी
- आहार लेखा परीक्षक

मृशारोपण प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDPM)

भारत कई मुशों की जन्मस्थली है और विश्व में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। इस क्षेत्र का बहुत महत्व है, क्योंकि इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं और यह समाज के कमजोर वर्गों को रोजगार प्रदान करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मृशारोपण उद्योग में सक्षम व्यावसायिकों को तैयार करना, बागवानी क्षेत्र में उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और वित्तीय प्रबंधन में ज्ञान और कौशल प्रदान करना; बागवानी उद्योग में कार्यरत व्यावसायिकों की तकनीकी दक्षता को उन्नत करना है।

पात्रता : किसी भी विषय में स्नातक।

समयावधि : न्यूनतम - 1 वर्ष, अधिकतम - 4 वर्ष

माध्यम : अंग्रेजी

शुल्क : ₹ 6,600/-

रोजगार के अवसर:

- बागान उद्योग में अनुसंधानकर्ता, विस्तार अधिकारी, विपणन अधिकारी/प्रबंधक/सुपरवाइजर/तकनीशियन।
- प्रशिक्षक एवं परामर्शदाता।

डेयरी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (DDT)

यह कार्यक्रम का उद्देश्य दुग्ध उद्योग हेतु तकनीकी स्तर के मानव संसाधन को तैयार करना है। दुग्ध एवं संबद्ध क्षेत्रों में कार्यरत मौजूदा एवं निम्न स्तर के कामगारों/तकनीशियनों की तकनीकी निपुणता को बेहतर बनाना एवं प्रसंस्करण एवं संबद्ध गतिविधियों में स्व-रोजगार के लिए कुशल युवा उद्यमियों को तैयार करना।

पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण + इग्नू से बी0पी0पी0

समयावधि : न्यूनतम - 1 वर्ष, अधिकतम - 4 वर्ष

माध्यम : हिन्दी/अंग्रेजी

शुल्क : ₹ 14,400/-

रोजगार के अवसर:

- सचिव डेयरी सहकारी संस्था
- दुग्ध पारखी/टेस्टर
- डेयरी संयन्त्र संचालक/तकनीशियन/सुपरवाइजर
- विपणन सहायक/वितरण सहायक/मण्डार सहायक

जल संभर प्रबंधन में डिप्लोमा (DWM)

इस कार्यक्रम का उद्देश्य जल संभर प्रबंधन विकास और प्रबंधन में मानव संसाधन का विकास करना और जल की गुणवत्ता सहित विभिन्न भौतिक, रासायनिक, सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को मूल्यांकन एवं पूर्वानुमान करने के लिए विभिन्न तकनीकों को स्पष्ट करना।

पात्रता : 10+2 पास/इग्नू से बी0पी0पी0

समयावधि : न्यूनतम - 1 वर्ष, अधिकतम - 4 वर्ष

माध्यम : हिन्दी/अंग्रेजी

शुल्क : ₹ 12,000/-

रोजगार के अवसर:

- उद्यानिकी निरीक्षक/कृषि बानिकी सर्वेक्षणकर्ता
- जल संवर्धन तकनीशियन/सुपरवाइजर/पर्युधन सहायक
- जल संभर परियोजनाओं से सम्बद्ध विभिन्न संगठनों जैसे - सरकारी विभाग और एन.जी.ओ./मृदा संरक्षण विभागों और भूजल बोर्ड में मृदा संरक्षण एवं कृषि सहायक/सुपरवाइजर।

मधुमक्खी पालन में प्रमाणपत्र (CIB)

इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य आधुनिक मधुमक्खी पालन के बारे में शिक्षा प्रदान करना; मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में मानव संसाधन का निर्माण करना; किसानों की आय बढ़ाने के लिए एपिकल्बर में विक्रीकरण; और मधुमक्खी पालन में उद्यमशीलता कौशल विकसित करना है।

पात्रता : 8वीं उत्तीर्ण या व्यावसायिक मधुमक्खी पालक

आयु : 18 वर्ष न्यूनतम

समयावधि : न्यूनतम - 6 महीने, अधिकतम - 02 वर्ष

माध्यम : हिन्दी एवं अंग्रेजी

शुल्क : ₹ 1,400/-

रोजगार के अवसर:

- प्रशिक्षित मधुमक्खी पालक, मधुमक्खी पालन में स्वउद्यमी

जैविक खेती में प्रमाणपत्र (COF)

यह कार्यक्रम ए.पी.ई.डी.ए. के सहयोग से तैयार किया गया है। आज-कल जैविक कृषि पर बल दिया जा रहा है जो कृषि संसाधनों पर निर्भर है और जो बिना रसायनों के प्रयोग के अधिक दिनों तक उत्पादन कायम रखने के लिए जीव विविधता बनाए रखती है। वर्तमान कार्यक्रम का उद्देश्य जैविक उत्पादन और प्रमाणन के विभिन्न पहलुओं के बारे में किसानों को शिक्षित करके जैविक खेती के वैधिक बाजार का लाभ प्राप्त करना है।

पात्रता : 12वीं उत्तीर्ण या समकक्ष, 10वीं+इग्नू से बी0पी0पी0

आयु : 18 वर्ष न्यूनतम

समयावधि : न्यूनतम - 6 महीने, अधिकतम - 02 वर्ष

माध्यम : हिन्दी एवं अंग्रेजी

शुल्क : ₹ 4,800/-

रोजगार के अवसर:

- प्रशिक्षित जैविक किसान, जैविक उत्पादक के रूप में स्वरोजगार।
- समूह खेती प्रबंधक
- परामर्शदाता/प्रशिक्षक व बाजार सहायक